ज्ञान का व्यापक प्रचार प्रसार करना आवष्यक – डॉ जुयाल

नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में अनवरत जारी अतिथि व्याखयानों की श्रृंखला में आज डॉ. राजपाल सिंह पूर्व प्राध्यापक एवं माननीय कुलपति के "संतुलित जीवन का प्रबंधन" विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति सुख की कामना चाहता है, लंबा एवं स्वस्थ्य जीवन चाहता है परन्तु यह कैसे हो, यह प्रयास नहीं करता। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि स्वार्थ एवं परमार्थ के यदि दोनों पक्ष मजबूत हों तभी उड़ान अच्छी होगी जिस प्रकार यदि चिड़िया का एक पंख कमजोर हो गया तो उड़ान अच्छी नहीं होगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वि.वि. के माननीय कुलपति डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल ने कहा कि ज्ञान रखना तभी बहुत अच्छा है जब तक उसका व्यापक प्रचार प्रसार एवं लाभ हो। यदि ज्ञान को आगे नहीं बढ़ाया तो वह बेकार है। समय को कोई भी नहीं पकड़ सकता, इसीलिए हमें समय के साथ चलना है।

कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. पी.सी. शुक्ला, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. आर.के. शर्मा, डॉ. वर्षा शर्मा, सहित समस्त प्राध्यापक एवं इटर्नशिप छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. वैशाली खरे ने किया।

डॉ. ओ.पी. श्रीवास्वत
सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि.
जबलपुर